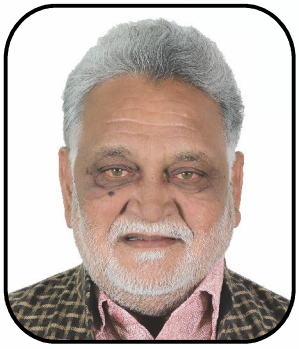

DR. HASSAN RAGHU

Dr. Hassan Raghu is the founder and director of Centre for indigenous Folk Martial Arts, Ramanagara, Karnataka. His contribution as a Master (Guru) of indigenous martial arts in India is commendable.

2. Born on 18th January, 1954, Dr. Raghu is an Ex-Defense Personal in the Indian Artillery Division and was awarded with Sangram Medal (Indo-Pak War 1971). He was a Physical Instructor at ASPT-Pune and gymnastic Instructor from NS NIS South. He started his career as stuntman in the year 1978 and became action Director/Stunt master in the year 1980. He established stunt institute to trained unemployed youths to provide job opportunities as stunt artist in Film and TV theater and stage performance. He trained more than 10 thousand artists and more than 300 masters in the India and also overall contribution in the field of Art more than thousands of Artists working make their life in Film and Television industry, Theaters and Stage performance. He worked in more than 150 movies South Indian films. In 1986 he received Best Action Award for Kannada film 'Accident' from Govt. of Karnataka. In 2009 he was member of Jury for the feature film section of Indian Panaroma- 2009. He is also a Board member for state cine workers Welfare Fund Committee, Govt. of India; Founder Secretary, All Karnataka Cine Stunt Directors and Association, Founder Vice President Karnataka Film Workers, Founder General Secretary for Karnataka Film and TV Technicians.

3. Dr. Raghu is associated with many organisations. He is founder of Karnataka Sahasa Kala Academy, Sahasa Kala Shikshana Kendra, Janapada Guru Kula and Adventurous Sports Hostel, Ramanagara, Karnataka, Rashtriya Shouryakla Mahavidhalya, Research &Development centre for indigenous Martial Arts and rural games and Ancient Marshal Arts study centre, which is first of its kind in India.

4. Dr. Raghu is Visiting Faculty for National School of Drama, New Delhi, Bangalore & Varanasi Kendra since 1994. He has organized Akhila Bharath Shourya Kala Mahothsava-Shourya Parva, since 2011, which has completed 14 National Festivals and Akhila Bharatha Loka Kala and Adhivasi Kala Festival from 2018, 2019 & 2020, which was conducted all over India in about 18 states. He is the Founder General Secretary for All India Folk & Tribal Art Parishath, New Delhi for the welfare of the Folk and Tribal Artist in the country.

5. Dr. Raghu is Member of Expert Committee for folk and indigenous art of Ministry of Culture, Government of India and CFPGS committee member from 2010-2017, Senior Fellowship for Indian Traditional Fight Arts in theatre from Sangeeth Nataka Academy, Govt. of India, Research Project Director for safeguarding the intangible cultural heritage and diverse cultural traditions of lndia from ICH, SNA, New Delhi. He served as member in Karnataka Janapada Academy, Govt. of Karnataka and Syndicate member for Karnataka Folklore University, two terms Chairman for Board of Studies for indigenous Martial Art, Chairman of Studies for Gurushishya Parampara scheme, Chairman for Board of studies for skill development programs in folklore studies, member of rural youth services and traditional games.

6. Dr. Raghu was honoured with Karnataka Rajyothsava award from Karnataka Govt. in 2017 and Janapada Lokasri award 2018 by Karnataka Janapada Parishath. He was awarded Honorary Doctorate from Karnataka Folklore University, Haveri, Government of Karnataka for the year 2024.

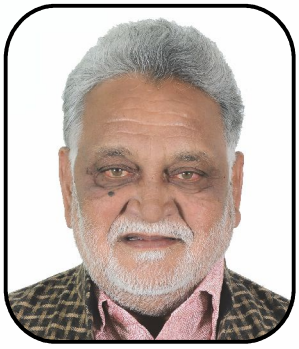

डॉ. हसन रघु

डॉ. हसन रघु कर्नाटक के रामनगर में स्वदेशी लोक युद्ध कला केंद्र के संस्थापक और निदेशक हैं। भारत में स्वदेशी मार्शल आर्ट के गुरु के रूप में उनका योगदान सराहनीय है।

2. 18 जनवरी, 1954 को जन्मे, डॉ. रघु भारतीय तोपखाना डिवीजन के भूतपूर्व सैनिक हैं और इन्हें संग्राम पदक (भारत–पाक युद्ध 1971) से सम्मानित किया गया था। वह एएसपीटी–पुणे में एक शारीरिक प्रशिक्षक और एनएस एनआईएस दक्षिण से जिमनास्टिक प्रशिक्षक थे। इन्होंने वर्ष 1978 में स्टंटमैन के रूप में अपना करियर की शुरूआत की और वर्ष 1980 में एक्शन डायरेक्टर/स्टंट मास्टर बन गए। इन्होंने प्रशिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए स्टंट इंस्टीट्यूट की स्थापना की ताकि उन्हें फिल्म और टीवी थिएटर तथा स्टेज परफॉर्मेंस में स्टंट कलाकार के रूप में अवसर प्रदान कर सके। उन्होंने भारत में 10 हजार से अधिक कलाकारों और 300 से अधिक मास्टरों को प्रशिक्षित किया और कला के क्षेत्र में फिल्म और टेलीविजन उद्योग, थिएटर और मंच प्रदर्शन में अपना करियर बनाने के लिए काम कर रहे हजारों कलाकारों के लिए कला क्षेत्रों में व्यापक योगदान दिया। उन्होंने दक्षिण भारतीय फिल्मों में 150 से अधिक फिल्मों में काम किया। वर्ष 1986 में उन्हें कर्नाटक सरकार से कन्नड़ फिल्म 'दुर्घटना' के लिए सर्वश्रेष्ठ एक्शन पुरस्कार मिला। वर्ष 2009 में, वह भारतीय पैनरोमा–2009 के फीचर फिल्म सेक्शन के लिए जूरी के सदस्य थे। वह भारत सरकार की राज्य सिने वर्कर्स वेलफेयर फंड कमेटी के बोर्ड सदस्य; सभी कर्नाटक सिने स्टंट डायरेक्टर्स एंड एसोसिएशन के संस्थापक सचिव, संस्थापक उपाध्यक्ष, कर्नाटक फिल्म वर्कर्स, कर्नाटक फिल्म और टीवी तकनीशियन के संस्थापक महासचिव भी हैं।

3. डॉ. रघु कई संगठनों से जुड़े हुए हैं। वह कर्नाटक साहस कला अकादमी, साहस कला शिक्षण केंद्र, जनपद गुरु कुला और एडवेंचरस स्पोर्ट्स हॉस्टल, रामनगर, कर्नाटक, राष्ट्रीय शौर्य कला महाविद्यालय, स्वदेशी मार्शल आर्ट और ग्रामीण खेल अनुसंधान और विकास केंद्र तथा प्राचीन मार्शल आर्ट अध्ययन केंद्र के संस्थापक हैं, जो भारत में अपनी तरह का ऐसा पहला केंद्र है।

4. डॉ. रघु वर्ष 1994 से नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, नई दिल्ली, बैंगलोर और वाराणसी केंद्र में विजिटिंग फैकल्टी हैं। इन्होंने वर्ष 2011 से अखिल भारत शौर्य कला महोत्सव – शौर्य पर्व का आयोजन किया है, जिसके 14 राष्ट्रीय उत्सवों का आयोजन किया जा चुका है, वर्ष 2018, 2019 और 2020 में अखिल भारत लोक कला और अधिवासी कला महोत्सव का आयोजन किया गया है, जिसका आयोजन लगभग पूरे भारत के 18 राज्यों में किया गया था। वह देश में लोक और जनजातीय कलाकार के कल्याण के लिए अखिल भारतीय लोक और जनजातीय कला परिषद्, नई दिल्ली के संस्थापक महासचिव हैं।

5. डॉ. रघु संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की लोक और स्वदेशी कला समिति के विशेषज्ञ सदस्य और वर्ष 2010–2017 से सीएफपीजीएस समिति के सदस्य हैं, संगीत नाटक अकादमी, भारत सरकार की ओर से थिएटर में भारतीय पारंपरिक लड़ाई कला की वरिष्ठ फेलोशिप है, आईसीएच, एसएनए, नई दिल्ली से भारत की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत और विविध सांस्कृतिक परंपराओं की रक्षा के लिए अनुसंधान परियोजना निदेशक हैं। इन्होंने कर्नाटक जनपद अकादमी, कर्नाटक सरकार में सदस्य के रूप में कार्य किया। साथ ही इन्होंने कर्नाटक लोककथा विश्वविद्यालय के सिंडिकेट सदस्य, स्वदेशी मार्शल आर्ट अध्ययन बोर्ड में दो कार्यकाल तक अध्यक्ष, गुरुशिष्य परम्परा योजना अध्ययन के अध्यक्ष, लोककथाओं के अध्ययन में कौशल विकास कार्यक्रम अध्ययन बोर्ड के अध्यक्ष, ग्रामीण युवा सेवाएं और पारंपरिक खेलों के सदस्य के रूप में कार्य किया।

6. डॉ. रघु को वर्ष 2017 में कर्नाटक सरकार से कर्नाटक राज्योत्सव पुरस्कार और कर्नाटक जनपद परिषद द्वारा जनपद लोकासरी पुरस्कार 2018 से सम्मानित किया गया। उन्हें वर्ष 2024 के लिए कर्नाटक फोकलोर विश्वविद्यालय, हवेरी, कर्नाटक सरकार से मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया।